24WVE9Z

संकलित परीक्षा - I (2014)

हिन्दी 'ब'

कक्षा - X

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड-क

(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए —** 12

'सहपाठी की मित्रता' इस उक्ति में हृदय के कितने भारी उथल-पुथल का भाव भरा हुआ है। किंतु जिस प्रकार युवा पुरुष की मित्रता स्कूल के बालक की मित्रता से अधिक दृढ़, शांत और गंभीर होती है, उसी प्रकार हमारी युवावस्था के मित्र बाल्यावस्था के मित्रों से कई बातों में भिन्न होते हैं। मित्र चाहते हुए बहुत से लोग मित्र के आदर्श की कल्पना मन में करते हैं। पर इस कल्पित आदर्श से तो हमारा काम जीवन के झंझटों में चलता नहीं। सुंदर प्रतिभा, मनभावनी चाल और स्वच्छंद प्रकृति, ये ही दो-चार बातें देखकर मित्रता की जाती है, पर जीवन-संग्राम में साथ देने वाले मित्रों में इनसे कुछ अधिक बातें चाहिए। मित्र केवल उसे नहीं कहते, जिसके गुणों की तो हम प्रशंसा करें, पर जिससे हम स्नेह न कर सकें, जिससे हम अपने छोटे-छोटे काम ही निकालते जाएँ, पर भीतर-ही-भीतर घृणा करते रहें। मित्र सच्चे पथ-प्रदर्शक के समान होना चाहिए, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकें। मित्र भाई के समान होना चाहिए, जिसे हम अपना प्रीतिपात्र बना सकें। हमारे और हमारे मित्र के बीच सच्ची सहानुभूति होनी चाहिए। ऐसी सहानुभूति जिससे एक के हानि-लाभ को दूसरा अपना हानि-लाभ समझे।

(i) 'सहपाठी की मित्रता' उक्ति में उथल पुथल का भाव क्यों होता है?

(ii) युवापुरुष और बाल्यावस्था के मित्रों में क्या अंतर होता है और क्यों?

(iii) मित्रता करते समय हम क्या देखते हैं?

(iv) सच्चे मित्र के क्या गुण होते हैं?

(v) मित्र को सच्चा पथ प्रदर्शक क्यों कहा जा सकता है?

(vi) मित्र के आदर्श की कल्पना क्या है?

2	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए —**	8

सच हम नहीं, सच तुम नहीं सच है महज़ संघर्ष ही।

संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।

जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झड़कर कुसुम।

जो लक्ष्य भूल रुका नहीं

जो हार देख झुका नहीं

जिसने प्रणय पाथेय माना, जीत उसकी ही रही।

सच हम नहीं, सच तुम नहीं सच है महज़ संघर्ष ही।

ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।

जो है जहाँ चुपचाप अपने-आप से लड़ता रहे।

जो भी परिस्थितियाँ मिलें

काँटे चुभें कलियाँ खिलें

हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।

सच हम नहीं, सच तुम नहीं सच है महज़ संघर्ष ही।

(i) कवि के अनुसार जीवन की सच्चाई क्या है और क्यों?

(ii) झड़े फूल से किसकी तुलना की गई है और क्यों?

(iii) जीवन में किस प्रकार के लोग विजयी होते हैं?

(iv) कवि ने जीवन संदेश क्या माना है? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

	3	निज़लिखित वाक्यों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– (क) सूर्योदय होने पर पक्षी बोलने लगे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए) (ख) वह आलसी था, इसलिए विफल हुआ। (सरल वाक्य में बदलिए) (ग) देश पर मर मिटनेवाला व्यक्ति ही सच्चा देश भक्त होता है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)	3
	4	निज़लिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : (क) उधर को मत देखो। (ख) मैंने अनेकों ग्रंथ पढ़े हैं। (ग) एक सुरीले गीतों की पुस्तक चाहिए। (घ) शेर की मंद-भयंकर गर्जना सुनकर बच्चे डर गए।	4
	5	(क) निज़लिखित समस्त पदों के विग्रह करके समासों के नाम भी लिखिए– अकाल–पीड़ित, आमरण (ख) निज़लिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए– पति और पत्नी, चंद्र के समान मुख	4
	6	(i) शब्द पद कब कहलाता है? (ii) रेखांकित का पद–परिचय दीजिए।	2

		अंधे भिखारी को कुछ पैसे दो।	
	7	निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरों से कीजिए – (क) तुम्हारी नौकरी लगवाने वाले के लिए तुम्हारे भाई ने बहुत _____ की । (ख) कितना भी _____ कदम रखो, होनी को टाला नहीं जा सकता ।	2
		खण्ड–ग **(पाठ्य–पुस्तक)**	
		निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (2+2+1)	
	8(i)	शैलेन्द्र ने 'तीसरी कसम' में किस प्रकार रेणु की मूल पट–कथा को पूर्ण आकार प्रदान किया।	2
	(ii)	मारवाड़ी बालिका विद्यालय में झंडोत्सव मनाने कौन गया और क्यों ?	2
	(iii)	अपने बड़े भाई साहब के दूसरे साल फेल होने पर छोटे भाई के मन में क्या कुटिल विचार आया ?	1
	9	'तताँरा वामीरो कथा' का नायक तताँरा किस प्रकार वामीरो के प्रति आकर्षित हुआ ? उसे अपने प्रेम की कीमत किस प्रकार चुकानी पड़ी ?	5
	10	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–(2+2+1)** मैं यह लताड़ सुनकर आँसू बहाने लगता। जवाब ही क्या था। अपराध तो मैंने किया, लताड़ कौन सहे ? भाई साहब उपदेश की कला में निपुण थे। ऐसी–ऐसी लगती बातें कहते, ऐसे–ऐसे सूक्ति–बाण चलाते कि मेरे जिगर के टुकड़े–टुकड़े हो जाते और हिम्मत टूट जाती। इस तरह जान तोड़कर मेहनत करने की शक्ति मैं अपने में न पाता था और उस निराशा में ज़रा देर के लिए मैं सोचने लगता– 'क्यों न घर चला जाऊँ। जो काम मेरे बूते के बाहर है, उसमें हाथ डालकर क्यों अपनी ज़िंदगी खराब करूँ।' मुझे अपना मूर्ख रहना मंज़ूर था, लेकिन उतनी मेहनत से मुझे तो चक्कर आ	5

		जाता था, लेकिन घंटे-दो घंटे के बाद निराशा के बादल फट जाते और मैं इरादा करता कि आगे से खूब जी लगाकर पढ़ूँगा। चटपट एक टाइम-टेबिल बना डालता। बिना पहले से नक्शा बनाए कोई स्कीम तैयार किए काम कैसे शुरू करूँ। टाइम-टेबिल में खेलकूद की मद बिलकुल उड़ जाती। (1) भाई साहब की उपदेश-कला की क्या विशेषताएँ थीं ? (2) छोटा भाई निराश होकर क्या सोचता था ? (3) टाइम टेबल बनाते वक्त किसे स्थान न मिलता ? क्यों ?	
		निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (2+2+1)	
	11(i)	कबीर की किसी साखी के आधारपर बताइए कि कबीर किन जीवनमूल्यों को मानव के लिए आवश्यक मानते हैं?	2
	(ii)	वृक्षों की तुलना किससे और क्यों की गई है? 'पर्वत प्रदेश में पावस' के आधार पर लिखिए।	2
	(iii)	श्रीकृष्ण के प्रति मीरा की भक्ति किस प्रकार की थी?	1
	12	'तोप' का मुँह बंद होना क्या संदेश देता है ? इससे हमें क्या शिक्षा लेनी चाहिए, तर्क सहित उत्तर लिखिए।	5
	13	महंत द्वारा हरिहर काका का अपहरण किये जाने के बाद गाँव के कुछ लोग किस कारण उनके भाइयों के घर पर जुटने लगे थे? इस घटना से समूचे गाँव पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए।	5
		खण्ड-घ **(लेखन)**	

		दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।	
	14(i)	भारतीय विद्यार्थी • आदर्श स्वरूप • वर्त्तमान स्थिति • संतुलित स्वरूप	5
	(ii)	भाग्यवाद-निराशा का घर • आशय • कर्त्तव्य विमुखता में वृद्धि। • कर्त्तव्य शीलता ही जीवन का आधार।	5
	(iii)	विपति कसौटी जे कसे, ते ही साँचे मीत • उक्ति का अर्थ • मित्रता की असली पहचान-विपत्ति में। • सच्चा मित्र सुख-दुख में साथ	5
	15	गर्मियों की छुट्टियों में घर-घर प्रचार करने वाले युवक-युवतियों की एक वाशिंग पाउडर बनाने वाली कंपनी 'लाइका' को आवश्यकता है। कंपनी के व्यापार प्रबंधक को आवेदन-पत्र भेजिए।	5
	16	विद्यालय में विद्यार्थियों की सेहत संबंधी जाँच-परख के लिए चिकित्सकों का एक दल आनेवाला है, सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें। यह सूचना तिथि, समय आदि के विवरण सहित सूचना-पट के लिए लिखिए।	5
	17	परीक्षा के ठीक पहले दिन संध्या के समय अपनी-अपनी चिंताएँ व्यक्त करते हुए दो मित्रों के संवाद को लगभग **50** शब्दों में लिखिए।	5

	18	विद्यार्थियों की जरूरत के हर सामान के लिए उपलब्ध 'क-ख-ग' भंडार' का विज्ञापन बनाइए।	5